PASHUDHAN PRAHAREE
www.pashudhanpraharee.com

मुर्गियों को "बर्ड फ्लू" से बचाने हेतु मुर्गी पालकों के लिए प्रारंभिक रोकथाम व नियन्त्रण के उपाय:

क्या करें

1. फार्म व बाड़े में जाने के लिए अलग कपड़ों तथा जूतों का इस्तेमाल करें।
2. फार्म व बाड़े के बाहर फुटपाथ बनायें जिसमें फिनायल अथवा अन्य कीटाणुनाशक घोल का प्रयोग करें।
3. फार्म व बाड़े में जाने से पहले साबुन से हाथ धोएं।
4. फार्म या बाड़े के चारों तरफ नियमित रूप से चूने का छिड़काव करें।
5. फार्म व बाड़े में पड़े छिद्रों को बंद करें जिसमें चूहे व नेवले अंदर प्रवेश न कर सके।
6. फार्म व बाड़े के चारों तरफ उगी ऊँची झाड़ियों व ऊँचे पेड़ों की टहनियों को काटे जिससे कौवे, चील व गिद्ध जैसे मांसाहारी पक्षी उस पर न बैठ सकें।
7. जिन मुर्गी पालकों ने घर में कुते पाल रखे हैं, उन्हें बांध कर रखे और उनके भोजन की व्यवस्था उनकी जगह पर ही करें।
8. मुर्गी फार्म में मृत पक्षियों के लिए अलग से गड्ढ़े की व्यवस्था करनी चाहिए जिसमें नेवले और आवारा कुते व जंगली जानवर आकर्षित न हों। इन गड्ढ़ों में मृत पक्षियों को दबाने से पहले शवों के ऊपर नमक व चूने की एक परत फैलाएं।
9. पक्षियों अथवा मुर्गियों की अचानक मृत्यु होने पर तुरन्त निकटतम पशु चिकित्सा संस्थान से सम्पर्क करें।

क्या न करें

1. मुर्गी पालकों को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि मांसाहारी व प्रवासी पक्षियों का मल किसी भी तरीके से फार्म में रखी मुर्गियों के संपर्क में न आये।
2. मुर्गियां घर के पिछवाड़े में घुमती है, इसलिए किसानों को विशेष ध्यान देना चाहिए और एहतियात के तौर पर उनके दाने–पानी की व्यवस्था बाड़े में उपलब्ध करनी चाहिए, जिससे मुर्गियों को भोजन के लिए खुले में विचरण न करना पड़े। ऐसा करने से उनका सम्पर्क मांसाहारी व प्रवासी पक्षियों के मल से नहीं रहेगा।
3. फार्म में आवारा कुते न आये इसलिए किसानों को फार्म के चारों तरफ बाड़ बंदी करनी चाहिए।
4. मुर्गी फार्म से निकलने वाले कूड़े में अक्सर अनाज के दाने रहते हैं, इसलिए किसानों को कूड़े का उचित प्रबंध करना चाहिए जिससे कि पक्षी व चूहे उस तरफ आकर्षित न हो।
5. मुर्गी फार्म में किसी भी पशु जैसे कि कुत्ता, बिल्ली, नेवला, चूहे इत्यादि का प्रवेश न हो इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

PASHUDHAN PRAHAREE
पशुधन प्रहरी
RNI No. : JHAHIN/2012/46453
ISSN : 2319-6971 (PRINT)

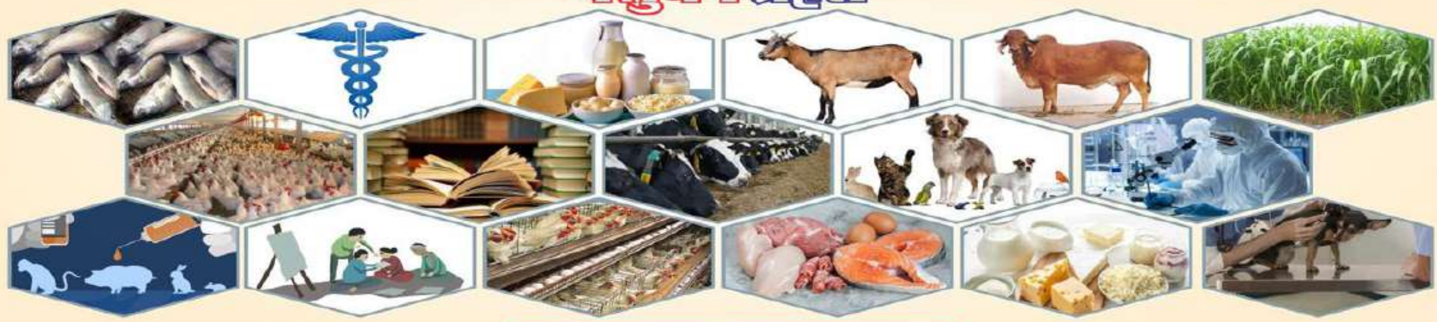

पशु स्वास्थ्य एवं पशुधन विकास हेतु समर्पित पत्रिका
www.pashudhanpraharee.com

पोल्ट्री व्यापार व विपणन से जुड़े कारोबारी व पोल्ट्री मांस विक्रेताओं को बर्ड.फ्लू के संभावित खतरे के दौरान ध्यान रखने वाली बातें व परामर्श

क्या करें:

1. प्रदेश के साथ लगते राज्यों में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है इसलिए मुर्गी कारोबार व वितरण से जुड़े व्यक्तियों को मुर्गियों की खरीद–फरोख्त रोगमुक्त क्षेत्रों के मुर्गी फार्मो से करें।
2. मुर्गियों की ढुलाई व वितरण करने वाले वाहनों व करेटों की सफाई के लिए रोगनाशक रसायनों का इस्तेमाल करें।
3. मुर्गियों से उत्पन्न कूड़े व मृत पक्षियों को गड्ढे में दबाएं।
4. बर्ड फ्लू से संबंधित पक्षियों के लक्षणों की जानकारी अपने कर्मचारियों से सांझा करें।
5. बर्ड फ्लूमें संबंधित मुर्गियों में निम्नलिखित लक्षण देखे जाते हैं जैसे आंख, गर्दन व सिर में सूजन, आंखों से रसाव और कलगी व टांगों में नीलापन आ जाता है।
6. बढ़ते खतरे को देखते हुए मुर्गी मांस विक्रेता साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखे और बचाव के तौर पर दस्ताने व मास्क का प्रयोग करें।
7. बर्ड फ्लू के लक्षण जैसे कि बुखार, नाक बहना, खांसी, सिर में दर्द, गले में सूजन, मास पेशियों में दर्द, दस्त होना, उल्टी होना, पेट में दर्द, सांस में समस्या इत्यादि होने पर तुरन्त चिकित्सक को दिखाएं।
8. मृतप्राय: पक्षियों से दूरी बनाकर रखें।
9. व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखें व नियमित रूप से अपने हाथों को साबुन के धोते रहें।
10. कटे हुए पक्षियों के अनुपयोगी मांस व अंगों का निपटान अच्छीतरह से करें।
11. काम करने वाली वस्तुओं जैसे टेबल, चाकू आदि को नियमित रूप से साफ करें।

क्या न करें:

1. ऐसी जगह से खरीद–फरोख्त न करें जहां पर बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई हो।
2. मृत पक्षी व पक्षियों की बीट को नंगे हाथ से न छुएं।
3. अपने कार्य क्षेत्र में गन्दगी न फैलाएं
4. कच्चे मीट को नंगे हाथ से न छुएं।

PASHUDHAN PRAHAREE
www.pashudhanpraharee.com

बर्ड फ्लू से संबंधित जानकारी

- बर्ड फ्लू मुर्गियों का एक संक्रामक रोग है जो एवियन इन्फ्लूएंजा (H5N1) नामक विषाणु के संक्रमण द्वारा फैलता है।
- बर्ड फ्लू बिमारी चिकन, टर्की, गीस ओर बत्तख की प्रजाति के पक्षियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करती है।
- बर्ड फ्लू रोग पक्षियों से मनुष्य में फैल सकता है।
- कांगड़ा जिला में स्थित पौंग बांध झील में बर्ड फ्लू के अत्यंत संक्रामक विषाणू H5N1 की पुष्टि हो चुकी है। इस इलाके के साथ लगते गांव में मृत कौवे भी पाए गए हैं जिससे इस रोग के फैलने की आशंका है।

बर्ड फ्लू से बचने के लिए क्या करें

- ✓ मुर्गियों में आकस्मिक मृत्यु, सांस की बिमारी के लक्षण व दस्त लगने की स्थिति में अपने नजदीकी पशु चिकित्सालय से संपर्क करें।
- ✓ मरे हुए पक्षियों से दूर रहें। अगर आपके आस पास किसी पक्षी की मौत हो जाती है तो इसकी सूचना संबंधित विभाग को दें।
- ✓ फ्रिज में पके हुए व कच्चे मीट को अलग अलग रखें। कच्चे मीट व अंडे हैंडल करने के बाद अपने हाथ ठीक से धोएं।
- ✓ मुर्गी पालक पोल्ट्री फार्म में मुर्गियों और अंडों को हैंडल करते वक्त मास्क व गलब्ज़ का उपयोग करें।

बर्ड फ्लू से बचने के लिए क्या न करें

- ✗ मृत पक्षियों, मुर्गियों आदि के सम्पर्क में न आएं न ही उन्हें छूएं।
- ✗ मुर्गियों व अंडों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर परिवहन न करें।
- ✗ कच्चे चिकन व अंडे का सेवन न करें।

चिकन या अंडे को साफ सफाई से 70 डिग्री तापमान पर अच्छी तरह पकाने से यह खाने के लिए बिल्कुल सुरक्षित है

Toll Free No. 18001808006 email dinesh.hp@nic.in Phone No 0177-2830089